

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 29 अगस्त से 04 सितंबर 2026

भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

वर्ष- 14

अंक-106

पृष्ठ- 8

मूल्य- रु. 5 /-

सेमीकंडक्टर से डिफेंस तक: भारत के औद्योगिक विस्तार का नया अध्याय

जापान से सेमीकंडक्टर-एआई निवेश, डिफेंस में ₹3,500 करोड़ और बैंकिंग सुधारों से मिलेगा बल

नई दिल्ली: भारत के औद्योगिक विस्तार को एक साथ कई मोर्चों पर नई गति मिल रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की जापान यात्रा के दौरान सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में जापानी निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारत की सेमीकंडक्टर मांग 2032 तक 150 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार ने सेमीकॉन इंडिया के तहत बड़े प्रोत्साहन दिए हैं और उच्च तकनीक उद्योगों के लिए बीआईएस प्रमाणन में छूट का ढांचा तैयार करने का संकेत दिया है। डिफेंस मैनुफैक्चरिंग में भी बड़ा कदम उठाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम बंगाल में जीआरएसई और यंत्र इंडिया लिमिटेड की विस्तार परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जिनकी लागत करीब ₹3,500 करोड़ है। इनसे जहाज निर्माण और रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ेगी तथा आयात निर्भरता घटेगी। स्वदेशी रक्षा उत्पादन में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। रिजर्व बैंक भी औद्योगिक विकास को वित्तीय सहयोग देने की दिशा में सक्रिय है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधार, एमएसएमई ऋण प्रवाह बढ़ाने और नई बैंकिंग पहल के जरिए पूंजी उपलब्धता मजबूत की जा रही है। इससे विनिर्माण इकाइयों और रक्षा-टेक्नोलॉजी कंपनियों को विस्तार के लिए आसान वित्त मिल सकेगा। सेमीकंडक्टर, एआई, डिफेंस और बैंकिंग सुधारों का यह संयोजन मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को नई ऊंचाई देने वाला माना जा रहा है।



एमपी ने दो वर्षों में आकर्षित किए ₹10 लाख करोड़ से अधिक निवेश: सीएम मोहन यादव

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों से उद्योगों में बढ़ा भरोसा, 900 से ज्यादा पुराने कानून निरस्त

भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश ने पिछले दो वर्षों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाने के प्रयासों से ₹10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश आकर्षित किए हैं। उन्होंने इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम में राज्य की उपलब्धियों का उल्लेख किया।

राज्य सरकार ने कारोबारी प्रक्रियाएं सरल की हैं। 900 से अधिक अनावश्यक कानून और 2,700 सर्कुलर निरस्त किए गए। भूमि अधिग्रहण का समय 69 दिन से घटाकर 29 दिन कर दिया गया है। एक लाख एकड़ से अधिक भूमि पर 340 से ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं।

दो वर्षों में ऊर्जा, टेलीकॉम, डिफेंस, शिक्षा, स्वास्थ्य, मत्स्य और दुग्ध उत्पादन सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए 24 नीतियां बनाई गईं। निवेशकों को डीबीटी के जरिए करीब ₹5,500 करोड़ की सब्सिडी दी गई है। प्रति श्रमिक ₹5,000 की लेबर सब्सिडी भी दी जा रही है।

राज्य का वार्षिक निर्यात ₹88,000 करोड़ से अधिक है। 55 में से 37 जिले निर्यात कर रहे हैं। ऊर्जा क्षमता 31 गीगावॉट है, जिसमें 30 प्रतिशत हरित ऊर्जा शामिल है। लक्ष्य 50 प्रतिशत हरित ऊर्जा का है।

सीमेंट और खनन क्षेत्र में राज्य आगे है। 49 मेडिकल कॉलेज और 73 राज्य विश्वविद्यालय हैं। पांच नए या अपग्रेडेड एयरपोर्ट बन चुके हैं। 2047 तक प्रति व्यक्ति आय ₹22.5 लाख करने का आंतरिक लक्ष्य रखा गया है, जो वर्तमान ₹1.69 लाख से काफी अधिक है। ये प्रयास विकसित भारत के विजन से जुड़े हैं।



She shapes her
#FinancialAzaadi

Her **SIP** is one step
towards it.

Ready to build your wealth?

CONNECT TO KNOW MORE

Disclaimer: AMFI Registered Mutual Fund Distributor (ARN-106646). For informational purposes only. Not a recommendation. Mutual Fund investments are subject to market risks. Read all scheme-related documents carefully before investing.



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

☎ (+91)7389912025

✉ visionadvisorymkt@gmail.com



Govt Raises Nearly ₹3,000 Crore from Hindustan Copper OFS

Issue Oversubscribed on Both Days; Full Greenshoe Option Exercised

New Delhi: The government has mobilised about ₹3,000 crore through an Offer for Sale (OFS) of Hindustan Copper shares, marking another successful public sector disinvestment this fiscal year. The two-day OFS closed on Wednesday with strong demand from both institutional and retail investors. DIPAM Secretary Arunish Chawla said the issue was oversubscribed on both days and the government exercised its entire greenshoe option. He thanked investors for reposing faith in the company. The government offered up to 6 per cent stake, including a 3 per cent greenshoe option, amounting to a little over 5.8

crore shares. The floor price was set at ₹514 per share. After the sale, the Centre's holding in Hindustan Copper will come down from around 66 per cent to about 60 per cent. With this transaction, disinvestment proceeds for the current financial year have risen to nearly ₹55,700 crore. The government has set a target of ₹80,000 crore from disinvestment in FY27. The stake sale comes after Hindustan Copper reported a sharp improvement in its June quarter performance, with more than a two-fold rise in net profit. Strong investor response reflects continued appetite for well-performing public

sector companies, particularly in the metals and mining space. The successful OFS adds to earlier stake sales in LIC, Coal India, NHPC and other PSUs this year.



म्यूचुअल फंड बने शेयर बाजार का पसंदीदा रास्ता, डायरेक्ट होल्डिंग्स का हिस्सा घटा

FY26 में कंपनियों में म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी 11.3% पहुंची; प्रत्यक्ष शेयरधारिता 9.4% पर सिमटी, SIP और फोलियो में जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली: भारतीय निवेशक अब सीधे शेयर खरीदने के बजाय म्यूचुअल फंड के जरिए बाजार में पैसा लगा रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में कंपनियों में म्यूचुअल फंडों की हिस्सेदारी बढ़कर 11.3 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 10.2 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2014 में यह महज 3.4 प्रतिशत थी। इसके विपरीत आम निवेशकों की प्रत्यक्ष शेयर होल्डिंग 9.9 प्रतिशत से घटकर 9.4 प्रतिशत रह गई। म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या 16.8 प्रतिशत बढ़कर 27.4 करोड़ पहुंच गई। SIP के जरिए सालाना निवेश 2.9 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3.5 लाख करोड़ रुपये हो गया।

निवेशक सीधे इक्विटी की तुलना में पेशेवर प्रबंधन, विविधीकरण और अनुशासित निवेश को तरजीह दे रहे हैं। SIP बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम करता है, इसलिए युवा और मध्यम वर्ग के परिवार इसमें ज्यादा रुचि ले रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को और आसान बना दिया है। रेजिडेंट इंडिविजुअल डीमैट खाते 17.6 प्रतिशत बढ़कर 22.5 करोड़ हुए, लेकिन वृद्धि दर पिछले साल से धीमी रही। भारत में डीमैट पेनिट्रेशन अभी 13.1 प्रतिशत है, जो चीन और जापान से काफी कम है। म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियां जीडीपी का 19.6 प्रतिशत हैं, जबकि विकसित देशों में यह अनुपात कहीं अधिक है।

यह बदलाव निवेशकों की बढ़ती परिपक्वता और पूंजी बाजार के स्वस्थ विकास को दर्शाता है। आगे SIP संस्कृति मजबूत होने से म्यूचुअल फंड की भूमिका और बढ़ने की उम्मीद है।



NRI Deposit Inflows Drop 23% in Q1, but FCNR(B) Accounts Jump 124%

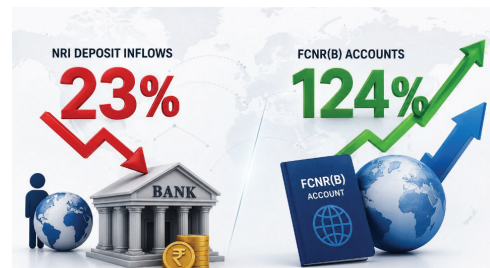
RBI's Special Swap Window Drives Foreign-Currency Deposits Even as Overall Fresh Inflows Slow

Mumbai: Fresh inflows into NRI deposit accounts fell 23 per cent year-on-year to \$2.775 billion in the April-June quarter of FY27, compared with \$3.614 billion a year earlier. However, Foreign Currency Non-Resident Bank [FCNR(B)] deposits surged 124 per cent to \$1.732 billion from \$774 million. Outstanding FCNR(B) deposits rose to \$35.487 billion at the end of June, from \$33.583 billion a year ago. Overall outstanding NRI deposits remained almost unchanged at \$168.506 billion. NRE rupee accounts stood at \$98.757 billion and NRO deposits at \$34.262 billion.

The sharp rise in FCNR(B) inflows was driven by a special swap window introduced by the Reserve Bank of India around the June policy meeting. Under the scheme, the RBI bore the cost of currency hedging to attract foreign-currency deposits and strengthen India's external position. The facility drew strong interest from NRIs and banks, prompting the central bank to advance the deadline for fresh deposits to August 31 from September 30. FCNR(B) deposits are denominated in dollars, pounds or euros and protect depositors from rupee depreciation. With the special window winding down, banks

will now have to rely on regular pricing to retain these balances.

The data present a mixed picture: a policy-driven success in mobilising foreign-currency deposits, set against a broader slowdown in new NRI savings. Overall outstanding balances remaining stable offers some comfort for India's external accounts.



मध्य प्रदेश में जिला स्तर पर युवा संवाद: कृषि छात्रों को आधुनिक फार्मिंग स्टार्टअप से जोड़ेगी सरकार

सीएम मोहन यादव ने पॉलीहाउस, डेयरी, मशरूम और पर्ल फार्मिंग जैसे उद्यमों पर जोर दिया; कृषि नवाचार संवाद संभाग व जिला स्तर पर होंगे

भोपाल: मध्य प्रदेश सरकार युवाओं में आधुनिक खेती की तकनीकों, प्रौद्योगिकी और कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए संभाग और जिला स्तर पर कृषि नवाचार संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह घोषणा सोमवार को भोपाल के रविंद्र भवन में युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की।

उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को कृषि क्षेत्र के नए अवसरों से जोड़ेगी और किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेगी। कृषि का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। नई तकनीक, नई फसलें, आधुनिक कृषि मशीनरी, उद्यमिता, जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाकर युवा खेती को लाभकारी व्यवसाय बना सकते हैं।

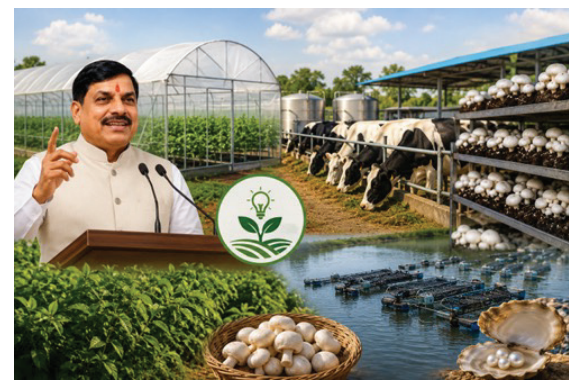
मुख्यमंत्री ने बताया कि कई विश्वविद्यालयों में कृषि संकाय शुरू किए गए हैं। उन्होंने कृषि पढ़ रहे युवाओं से आग्रह किया कि वे खेती से जुड़े रहते हुए नवाचार और उद्यमिता की ओर भी बढ़ें। उन्होंने कहा कि युवा किसान पॉलीहाउस खेती, फूड प्रोसेसिंग, वेयरहाउसिंग, मशरूम फार्मिंग, पर्ल फार्मिंग और मधुमक्खी पालन के जरिए अपनी आय बढ़ा सकते हैं। मशरूम और पर्ल फार्मिंग तो एक कमरे से भी

शुरू की जा सकती है, जबकि उद्यमिता फसलें छोटी जोत पर भी बेहतर रिटर्न दे सकती हैं।

डॉ. यादव ने किसानों को फसल खेती के साथ डेयरी, मत्स्य पालन, बकरी पालन और पोल्ट्री अपनाकर आय के स्रोत बढ़ाने की सलाह दी। मध्य प्रदेश वर्तमान में देश का तीसरा सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य है। सरकार ने डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ समझौता किया है। राज्य ने सालाना एक लाख गिर नस्ल के बछड़ों के उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जिससे दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा और किसानों को नियमित आय मिलेगी। भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत 25 गावों की डेयरी स्थापित करने पर करीब 43 लाख रुपये की परियोजना लागत पर 10 लाख रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में तीन मछली बीज हैचरी स्थापित की गई हैं, ताकि अन्य राज्यों पर निर्भरता कम हो।

किसान कल्याण के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि गेहूं खरीद पर एमएसपी के साथ बोनस दिया गया और सोयाबीन उत्पादकों के लिए

भावांतर योजना लागू की गई है। सिंचाई क्षमता बढ़ाई जा रही है ताकि अधिक कृषि भूमि को सुनिश्चित पानी मिल सके। जिला स्तर के इन युवा संवादों से कृषि स्टार्टअप की मजबूत पाइपलाइन बनेगी और कृषि छात्र आधुनिक खेती उद्यमों की ओर बढ़ेंगे।



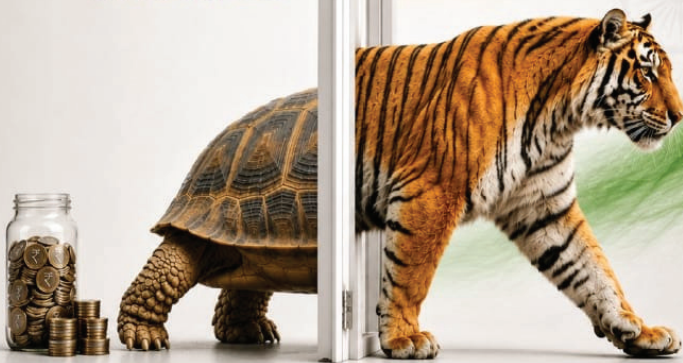
कछुए वाली चाल से बाघ वाली छलांग तक।

#FinancialAzaadi

के लिए कदम बढ़ाइए।

SAVINGS

SIP



₹2,840/महीने की SIP से 30 साल में
₹1 करोड़ का कॉर्पस बन सकता है।

Financial Freedom की
ओर बढ़ना चाहते हैं?

अधिक जानने के लिए जुड़ें।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



आपके हर सपने के लिए
एक SIP

...i! wealthy



₹15,000 की मासिक SIP, 25 साल में लगभग
₹3 करोड़ का कॉर्पस बना सकती है।

क्या आप SIP से निवेश शुरू करना चाहते हैं?

अधिक जानकारी के लिए जुड़ें।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com



ICICI Prudential AMC Slips 7% in Two Days as Promoter Offloads 2% Stake

Prudential Corporation sale worth over Rs 3,185 crore aims to meet minimum public shareholding norms; promoter holding to fall to 85.6%

Mumbai: Shares of ICICI Prudential Asset Management Company fell about 5% to around Rs 3,064 on Thursday after promoter Prudential Corporation Holdings moved to sell up to 2% equity. Combined with the previous session's decline, the stock was down nearly 7% in two days.

The company told exchanges that Prudential Corporation Holdings intends to sell up to 98.85 lakh shares, or 2% of equity, through open-market transactions. At Wednesday's close of Rs 3,222.80 on the NSE, the stake was valued at more than Rs 3,185 crore. The sale began on August 27 and could be completed in one or more tranches.

Promoters and the promoter group held 87.60% as of August 21. After the sale, aggregate promoter holding will fall to 85.60%. The move is meant to comply with minimum public shareholding requirements. ICICI Bank remains the

majority promoter with about 53%, while Prudential held around 34.59% before the transaction. Reports said shares changed hands in a large block at a discount of roughly 2-7% to the previous close, with an offer range of about Rs 2,998-3,158.

ICICI Prudential AMC listed in December last year at Rs 2,600, a 20% premium to its IPO price, after the issue was subscribed 39.17 times. The stock later hit a low of Rs 2,530 before rallying to a record high of about Rs 3,611 in May. It has since corrected from those peaks but remains up more than 22% in 2026. Market capitalisation is around Rs 1.6 lakh crore.

Fundamentals remain firm. In the first quarter, net profit rose 23% year-on-year to Rs 965 crore, while operating revenue increased 18% to Rs 1,564 crore. Total income was Rs 1,745 crore, up 18% from

a year earlier.

The decline reflects supply from a large secondary sale rather than a change in the company's business outlook. Investors will watch whether the stock stabilises after the overhang eases and how quickly public shareholding rises toward regulatory norms.



गोदरेज ने मालनपुर में खोला एशिया का सबसे बड़ा साबुन कारखाना

भिंड में 450 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश; हर मिनट 4,000 साबुन, सैकड़ों लोगों को रोजगार

भिंड: गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) ने भिंड जिले के मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में अपनी चौथी विनिर्माण इकाई का उद्घाटन किया है। कंपनी का कहना है कि यह इकाई अब एशिया का सबसे बड़ा एकीकृत साबुन कारखाना बन गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्लांट का शुभारंभ किया। इकाई पर 450 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है और इससे क्षेत्र में सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। कुछ रिपोर्टों में चौथी इकाई का निवेश 480 करोड़ रुपये से अधिक भी बताया गया है।

प्लांट में हर मिनट करीब 4,000 साबुन बन सकेंगे। कंपनी अधिकारियों के अनुसार मालनपुर परिसर की कुल साबुन क्षमता दो लाख टन से अधिक हो गई है। करीब 65 से 70 एकड़ में फैले परिसर में अब चार इकाइयां हैं, जहां साबुन, बालों के रंग, घरेलू कीटनाशक और अन्य उपभोक्ता उत्पाद बनेंगे। नई इकाई में ऑटोमेशन और डिजिटल मैनुफैक्चरिंग सिस्टम लगाए गए हैं। सिंथॉल, गोदरेज नंबर 1, गुडनाइट, गोदरेज एअर और गोदरेज एक्सपर्ट हेयर कलर जैसी प्रमुख ब्रांड यहां तैयार होंगी। पूर्ण संचालन के बाद टर्नओवर करीब 3,800 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। प्रत्यक्ष रोजगार 600 से अधिक लोगों को मिलने की उम्मीद है।

निसाबा गोदरेज, एग्जिक्यूटिव चेयरपर्सन, जीसीपीएल ने कहा कि मालनपुर से कंपनी का रिश्ता 35 वर्ष पुराना है। उनके पिता आदि गोदरेज ने 1991 में यहां साबुन इकाई शुरू की थी। मालनपुर

में बने गोदरेज नंबर 1 साबुन आज देश का प्रमुख ब्रांड बन चुका है। साइट पर अब तक का संचयी निवेश करीब 850 करोड़ रुपये पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों से बचाव वाले उत्पाद बनाती है। कंपनी 2030 तक मलेरिया मुक्त लक्ष्य के लिए राज्य सरकार के साथ काम करने को तैयार है। एमडी और सीईओ आसिफ मलबारी ने कहा कि यह विस्तार एशिया में कंपनी की विनिर्माण क्षमता को और मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सिर्फ एमओयू पर हस्ताक्षर नहीं करता, उन्हें लागू भी करता है। सामान्यतः एमओयू का केवल 10 प्रतिशत क्रियान्वित होता है, जबकि मध्य प्रदेश में 30 प्रतिशत से अधिक निवेश साकार हो रहा है और 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश विभिन्न रूपों में आकार ले रहे हैं। राज्य की निर्यात क्षमता 76,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। समुद्र न

होने के बावजूद प्रदेश के उत्पाद दुनिया भर पहुंच रहे हैं। उन्होंने गोदरेज से मालनपुर में पांचवीं इकाई और भिंड के स्थानीय युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण शुरू करने की अपेक्षा जताई। जनवरी में GIS 2027 का आयोजन होगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और पंचायत मंत्री प्रह्लाद पटेल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

यह विस्तार ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में मैनुफैक्चरिंग, निर्यात और रोजगार को नई गति देगा तथा 'मेड इन एमपी' की छवि को और मजबूत करेगा।



L&T Bags Major Middle East Order for 6 GWh Battery Storage Projects

Renewables arm wins three four-hour BESS contracts valued between Rs 5,000 crore and Rs 10,000 crore

Mumbai: Larsen & Toubro's renewables business has won a major order in the Middle East to develop three battery energy storage system (BESS) projects with a combined capacity of 6 gigawatt-hours. The company classified the contract as "major", a category it uses for orders valued between Rs 5,000 crore and Rs 10,000 crore. The exact value and the client's name were not disclosed.

The scope covers engineering, procurement and construction of three four-hour BESS facilities, along with grid interconnections, pooling substations and underground cables. The systems will store surplus clean power generated during off-peak hours and release it during peak demand, supporting grid stability and higher renewable energy integration in the region.

L&T said the installations will use liquid-cooling technology, designed to deliver higher power density, improve safety and extend the operational life of

the batteries. The projects are expected to mark a significant step in grid modernisation across the Middle East, where large-scale solar and other renewable capacity is expanding rapidly and storage is becoming essential to balance intermittent generation.

The win adds to L&T's growing international pipeline in clean energy infrastructure and positions the company as a serious EPC player in the global BESS market. Energy storage is emerging as a critical complement to solar and wind, and multi-gigawatt-hour contracts of this scale remain relatively scarce. For investors, the order strengthens visibility in the renewables vertical after a series of large overseas wins, including recent hydrocarbon and infrastructure contracts. The company did not specify project timelines or locations within the region. Execution will require tight coordination on plant performance, workforce mobilisation, health and safety, quality

control and delivery schedules. Market reaction was muted on the announcement day, with L&T shares closing slightly higher.

As Middle East utilities push for grid flexibility and renewable integration, similar BESS awards could follow. L&T's ability to combine storage systems with substations and cabling under one EPC umbrella is a competitive advantage. Investors will watch execution progress and whether more storage orders of this size materialise in the months ahead.



Adani Energy Solutions Wins ₹4,700 Crore Maharashtra Transmission Project

4,500 MW Renewable Power Evacuation Planned; Work to Be Completed in 36 Months

एलुरु: Adani Energy Solutions Ltd (AESL) has secured a transmission project worth about ₹4,700 crore in Maharashtra to evacuate renewable energy and support energy storage. The project will help move 4,500 MW of renewable and storage power from Karnataka to major load centres in the state.

The scope includes 562 circuit kilometres of new transmission lines and 9,000 MVA of additional transformation capacity. Key components are a 765/400 kV substation at Satara, a Kolhapur-Satara 765 kV double-circuit line and augmentation of the Kolhapur pooling station. The network

will cover Satara, Kolhapur, Pune and the Mumbai Metropolitan Region.

AESL CEO Kandarp Patel said pumped storage projects are becoming a critical enabler of India's clean energy transition by providing flexibility to integrate large-scale renewable power. He added that the Satara project will create a vital transmission backbone linking Southern and Western India and strengthen grid stability.

The project is scheduled to be completed in 36 months. With this win, AESL's transmission order book has risen to ₹85,000 crore. The company's cumulative

network now stands at 29,739 circuit kilometres with transformation capacity of 1,43,425 MVA.

The award underlines growing investment in grid infrastructure needed to support India's renewable energy and decarbonisation goals. Improved evacuation capacity is expected to reduce bottlenecks and enable faster integration of solar, wind and storage projects.

Biocon Biologics Gets Japan Approval for Pegfilgrastim Biosimilar

Cancer Supportive Care Drug to Be Marketed with Sandoz; Boost for Affordable Treatment Access

Mumbai: Biocon Biologics, a subsidiary of Biocon Ltd, has received marketing approval from Japan's Ministry of Health, Labour and Welfare for its pegfilgrastim biosimilar, a supportive care medicine used to prevent infections in cancer patients after chemotherapy.

The product is a biosimilar to Neulasta. It has been developed and manufactured by Biocon Biologics. Global Regulatory Partners Japan will act as the marketing authorisation holder on behalf of the company, while Sandoz KK will handle exclusive promotion, sale and distribution in Japan.

The approval, granted on August 25, 2026, expands Biocon's biosimilar portfolio in one of the world's most regulated pharmaceutical markets. The company said the nod reaffirms its commitment to increasing patient access to high-quality and affordable medicines globally.



Pegfilgrastim helps reduce the risk of febrile neutropenia, a serious complication of chemotherapy. Biosimilars typically offer a more affordable alternative to originator biologics while meeting strict quality and efficacy standards.

The Japan clearance is seen as an important step in Biocon Biologics' international expansion strategy. Success in a stringent market such as Japan can support further regulatory filings and commercial partnerships in other developed countries.

Industry observers view the development as positive for India's biosimilar manufacturing capabilities and for Biocon's growing presence in oncology supportive care. Commercial launch timelines in Japan will depend on local arrangements with Sandoz.

DN Solutions Opens First India Plant in Bengaluru with ₹600 Crore Investment

Regulatory Changes and Lower F&O Volumes Weigh on Earnings; MTF Helps Offset Decline

Bengaluru: South Korean machine tool manufacturer DN Solutions has inaugurated its first plant in India at a 25-acre facility in Bengaluru, with a first-phase investment of ₹600 crore. This is the company's first overseas manufacturing investment since its Yantai plant in China in 2003.

The facility houses manufacturing, research and development, a technical centre and after-sales operations. It will initially produce smart vertical machining (SVM) series centres and LYNX and LEO series horizontal turning centres designed for the Indian market. Production of high-end five-axis machines is planned in later phases.

The plant currently employs 240 people directly. Including suppliers, logistics and service partners, the wider employment impact is expected to be at least twice that number. DN Solutions aims to source most components locally over the next five years, excluding spindle assemblies. Localisation

already stands at about 80 per cent by parts count. CEO Wonjong Kim said the company has been committed to India for more than a generation and holds one of the highest market shares among global machine tool firms. He added that India has the potential to become a global manufacturing hub because of its

large domestic market, engineering talent and young workforce.

The Bengaluru R&D centre will work with the company's institutes in Korea, Germany and China. The project underlines growing foreign interest in India's capital goods and precision manufacturing ecosystem.



सुपरहेल्थ 10 मिलियन डॉलर जुटाने की बातचीत में, रोनी स्कूवाला कर सकते हैं निवेश

अस्पताल नेटवर्क विस्तार के लिए फंडिंग, वैल्यूएशन 100 मिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

बेंगलुरु: हेल्थकेयर स्टार्टअप सुपरहेल्थ अपग्रेड के संस्थापक रोनी स्कूवाला से करीब 10 मिलियन डॉलर (लगभग 85 करोड़ रुपये) जुटाने की बातचीत के अंतिम चरण में है। सूत्रों के अनुसार इस राउंड में अन्य निवेशक भी शामिल हो सकते हैं और कंपनी का वैल्यूएशन 100 मिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2025 में 30 मिलियन डॉलर था। 2024 में शुरू हुई सुपरहेल्थ खुद को जीरो-वेट और जीरो-कमीशन अस्पताल नेटवर्क बताती है। कंपनी बेंगलुरु के कोरमंगला में अपना फ्लैगशिप अस्पताल चला रही है और शहर में और अस्पताल खोलने की योजना बना रही है। दीर्घकालिक लक्ष्य 2030 तक देशभर में 100 अस्पतालों का नेटवर्क खड़ा करना है।

इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी, स्वीरो कैपिटल, बाउंडलेस वेंचर्स और पैथेरा पीक जैसे निवेशक कंपनी में पैसा लगा चुके हैं। यह कंपनी की चौथी फंडिंग राउंड हो सकती है। संस्थापक वरुण दुबे पहले अपोलो हॉस्पिटल्स, ओला इलेक्ट्रिक और प्रैक्टो से जुड़े रहे हैं। कंपनी का दावा है कि वह पारंपरिक अस्पतालों की तुलना में कम लागत और तेज सेवा के साथ स्वास्थ्य सुविधाएं दे रही है। स्कूवाला के निवेश से सुपरहेल्थ को नेटवर्क विस्तार और संचालन बढ़ाने में मदद मिलेगी। हेल्थकेयर सेक्टर में यह सौदा नए अस्पताल मॉडल पर बढ़ती निवेशक रुचि को दर्शाता है।



एयरबाउंड ने जुटाए 37 मिलियन डॉलर, क्लिक कॉमर्स अब आसमान से होगा

ग्रीनोक्स की अगुआई में फंडिंग, आगे लोगों को ले जाने वाले विमान बनाने की योजना

बेंगलुरु: ड्रोन स्टार्टअप एयरबाउंड ने 37 मिलियन डॉलर (करीब 310 करोड़ रुपये) की सीरीज ए फंडिंग जुटाई है। कंपनी क्लिक कॉमर्स, ई-कॉमर्स और हेल्थकेयर डिलीवरी को आसमान तक ले जाना चाहती है और आगे चलकर लोगों को भी एयरक्राफ्ट से ले जाने का लक्ष्य रखती है। यह राउंड ग्रीनोक्स की अगुआई में हुआ। इसमें डोरडैश, लाची ग्रूम, लाइटस्पीड और हुम्बा वेंचर्स ने हिस्सा लिया। 2023 में शुरू हुई कंपनी अब तक कुल करीब 50 मिलियन डॉलर जुटा चुकी है। फंड का इस्तेमाल इंजीनियरिंग, मैनुफैक्चरिंग और बड़े पैमाने पर संचालन के लिए किया जाएगा।

संस्थापक और सीईओ नमन पुष्प के अनुसार कंपनी ऐसे ड्रोन बना रही है जो माल को सड़क परिवहन जितना सस्ता हवाई मार्ग से पहुंचा सकें। मौजूदा टीआरटी ड्रोन करीब 1.5 किलो वजन का है और 1 किलो पेलोड ले जा सकता है। बेंगलुरु और गुंटूर में 13,000 से अधिक स्वायत्त उड़ानें पूरी हो चुकी हैं। नारायण हेल्थ के लिए डायग्नोस्टिक सैमपल पहुंचाने में भी इसका इस्तेमाल हुआ है। आंध्र प्रदेश में तीन शहरों को जोड़ने वाला ड्रोन नेटवर्क बनाने की योजना है, जिसका लक्ष्य रोजाना 10,000 उड़ानें हैं। कंपनी आगे भारी पेलोड और यात्री परिवहन वाले बड़े विमान विकसित करेगी। यह निवेश भारत के ड्रोन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



Zerodha FY26 Profit Almost Flat at ₹4,283 Crore as Core Broking Slows

Regulatory Changes and Lower F&O Volumes Weigh on Earnings; MTF Helps Offset

Bengaluru: Discount broker Zerodha reported a nearly flat net profit of ₹4,283 crore in FY26, up just 1.2 per cent from ₹4,231 crore in the previous year. Revenue also remained broadly unchanged at around ₹8,500–8,847 crore, reflecting a slowdown in its core broking business. CEO Nithin Kamath attributed the muted performance to regulatory changes in the futures and options segment, including higher securities transaction tax on options and fewer weekly expiries. Market volumes also cooled after equities peaked in September 2024, reducing high-frequency options trading. Brokerage income fell 10.7 per cent to

₹2,738 crore. Net transaction-charge income dropped to zero from ₹400 crore a year earlier after exchanges ended rebates to brokers. Interest income declined about 4 per cent to ₹2,269 crore. The decline was partly offset by strong growth in margin trading facility (MTF) and delayed payment charges. Combined income from these lines rose to ₹448 crore from just ₹22 crore. MTF, launched in December 2024, now contributes around 10 per cent of revenue, with the book at about ₹9,000 crore. Zerodha remains highly profitable and India's largest broker by assets under management. However, Kamath said the rapid rise in MTF borrowing "scars" him even as it makes revenue more

predictable. The coming year will test whether equity volumes recover and newer products, including corporate bonds, can support growth.



WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1

Anil Bhardwaj

Technical Head

anil.stockcare@gmail.com

- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	24176	24646	24513	24344	24211	24042	23909	23740
BANK NIFTY	57496	58683	58339	57918	57574	57153	56809	56388
SENSEX	77194	78784	78385	77790	77391	76796	76397	75802
FINNIFTY	26287	26943	26710	26499	26266	26055	25822	25611
MIDCAP	14967	15349	15220	15093	14964	14837	14708	14581
ACC	1309	1381	1360	1334	1313	1287	1266	1240
AXISBANK	1262	1318	1293	1278	1253	1238	1213	1198
ABCAPITAL	408	425	421	414	410	403	399	392
BHARTIARTL	1881	2018	1986	1933	1901	1848	1816	1763
BHEL	429	472	455	442	425	412	395	382
BIOCON	413	436	429	421	414	406	399	391
BEL	410	424	419	415	410	406	401	397
CDSL	1410	1515	1480	1445	1410	1375	1340	1305
DATAPATTERN	4627	5235	5062	4845	4672	4455	4282	4065
ESCORTS	3007	3227	3168	3087	3028	2947	2888	2807
EICHERMOTOR	8030	8293	8217	8123	8047	7953	7877	7783
FEDERAL BANK	343	374	368	355	349	336	330	317
GRINFRAPROJECT	886	956	935	911	890	866	845	821
HDFCBANK	720	758	746	733	721	708	696	683
HCLTECH	1316	1394	1364	1340	1310	1286	1256	1232
HINDUNILVR	2004	2092	2072	2038	2018	1984	1964	1930
HAL	4837	5135	5062	4950	4877	4765	4692	4580
HYUNDAI	2270	2395	2338	2304	2247	2213	2156	2122
IOC	137	145	143	140	138	135	133	130
ICICIBANK	1425	1496	1475	1450	1429	1404	1383	1358
INFY	1143	1194	1170	1156	1132	1118	1094	1080
ITC	266	281	277	272	268	263	259	254
KOTAKBNK	424	465	447	435	417	405	387	375
LICHOUSING	535	615	579	557	521	499	463	441
LT	4038	4203	4164	4101	4062	3999	3960	3897
LUPIN	2177	2321	2280	2228	2187	2135	2094	2042
MARUTI	13368	14067	13909	13638	13480	13209	13051	12780
M&M	3328	3563	3505	3417	3359	3271	3213	3125
MGL	1097	1186	1165	1131	1110	1076	1055	1021
MAZGAONDOC	2548	2767	2712	2630	2575	2493	2438	2356
PFC	351	382	376	363	357	344	338	325
RECLTD	317	338	334	325	321	312	308	299
RELIANCE	1284	1349	1335	1309	1295	1269	1255	1229
SBIN	1047	1093	1078	1062	1047	1031	1016	1000
SUNPHARMA	1920	1974	1953	1936	1915	1898	1877	1860
SHRIRAMFINANCE	1089	1184	1163	1126	1105	1068	1047	1010
TITAN	5149	5344	5266	5207	5129	5070	4992	4933
TCS	2342	2483	2415	2379	2311	2275	2207	2171
TATAMOTORS	318	332	326	322	316	312	306	302
UPL	571	614	602	587	575	560	548	533
VALIENT	296	331	321	308	298	285	275	262
WIPRO	182	193	189	185	181	177	173	169

सुजलॉन को टोरेंट ग्रीन एनर्जी से मिला 250 मेगावाट का नया ऑर्डर

76 एस144 टर्बाइन लगेंगे, साझेदारी अब 1.3 गीगावाट से अधिक

मुंबई:विंड टर्बाइन निर्माता सुजलॉन ग्रुप को टोरेंट ग्रुप की कंपनी टोरेंट ग्रीन एनर्जी से 250 मेगावाट का नया ऑर्डर मिला है। कंपनी 76 एस144 विंड टर्बाइन जनरेटर सप्लाई करेगी, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 3.3 मेगावाट है।

इस करार में ग्रिड इंटीग्रेशन और दीर्घकालिक संचालन एवं रखरखाव (O & M) सेवाएं भी शामिल हैं। सुजलॉन भूमि अधिग्रहण, टर्बाइन सप्लाई, बैलेंस ऑफ प्लांट और कमीशनिंग सहित पूर्ण ईपीसी सेवाएं देगी।

यह दोनों कंपनियों के बीच छठा करार है। उनकी साझेदारी अब 1.3 गीगावाट से अधिक हो गई है और परियोजनाएं गुजरात, कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश में फैली हैं। सुजलॉन ग्रुप के उपाध्यक्ष गिरीश तांती ने कहा कि सफलता एक ऑर्डर से नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाली साझेदारी से मापी जाती है। टोरेंट ग्रीन एनर्जी एक दशक से अधिक समय से सुजलॉन की पार्टनर रही है।

सीईओ अजय कपूर ने कहा कि वित्त वर्ष 2027 में कंपनी को अब तक 1.1 गीगावाट के नए ऑर्डर मिल चुके हैं। यह सौदा मध्य प्रदेश में सुजलॉन की उपस्थिति को और मजबूत करेगा, जो पवन ऊर्जा का उभरता बाजार बन रहा है।

सुजलॉन की दुनियाभर में 22,000 मेगावाट से अधिक क्षमता स्थापित है। यह ऑर्डर कंपनी के ऑर्डर बुक और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार के लिए सकारात्मक माना जा रहा है।



Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.